

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 रेलवे प्वाइंट्समैन के लिए खुशखबरी | 5 सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों का किया सम्मान | 8 भारतीय पुरुष नौकायान टीम ने जीता रजत

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 04, अंक: 15 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 05 अक्टूबर, 2026



"पहले गरीब के पैसों पर डकैती होती थी, पीएम ने गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचाया"



आराधना मोना मिश्रा को यूपी कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया

लखनऊ में यूपी कांग्रेस की अध्यक्ष आराधना मिश्रा बनीं। आराधना मिश्रा मोना यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बनीं। अजय राय की जगह आराधना मिश्रा को कमान।



"बापू ने यही सिखाया था, सच बोलो, 'लाठी से भीड़ रोकी जा सकती है, सवाल नहीं"



पानी भरने से गोमती रिवरफ्रंट बंद किया गया, अगले आदेशों तक रिवरफ्रंट में एंट्री पर रोक

लखनऊ। पानी भरने से गोमती रिवरफ्रंट बंद किया गया। अगले आदेशों तक रिवरफ्रंट में एंट्री पर रोक। गोमती उफान पर, पानी रिवरफ्रंट तक पहुंचा। रिवरफ्रंट पर पर्यटकों का प्रवेश बंद किया गया।

4.60 लाख छात्रों को बांटे 1.48 करोड़

योगी बोले– मंत्रियों को समय पर स्कालशिप नहीं मिली

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 148 करोड़ रुपये से ज्यादा की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति वितरित की। उन्होंने ओम प्रकाश राजभर को लेकर कहा कि समय पर छात्रवृत्ति मिलती तो वे पढ़–लिखकर आगे बढ़ते। सरकार ने पात्र छात्रों को हर महीने समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर को लेकर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि अगर राजभर को समय पर छात्रवृत्ति मिल जाती तो वह भी पढ़–लिखकर होनहार बनते और शायद नेता नहीं बनते। योगी ने कहा कि उस समय की सरकार ने छात्रवृत्ति नहीं दी, इसलिए राजभर पढ़ नहीं पाए। उन्होंने मेहनत और संघर्ष किया, जनता की आवाज बनकर लड़ते रहे और बाद में मंत्री बने। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजभर ने थ्री व्हीलर और टैक्सी भी चलाई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने लोक भवन में 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के बैंक खातों में 148 करोड़ रुपये से ज्यादा की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि का अंतरण किया। इस चरण में ओबीसी के 2,23,615 विद्यार्थियों को 60.01 करोड़, अनुसूचित जाति के 1,59,959 विद्यार्थियों को 64.54 करोड़, सामान्य वर्ग के 38,084 विद्यार्थियों को 11.43 करोड़ और अल्पसंख्यक वर्ग के 38,901 विद्यार्थियों को 12.06 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं।



कोई बच्चा छूटना नहीं चाहिए, सबके खातों में पैसे समय पर जाने चाहिए।

-सीएम योगी

नौ साल में चार करोड़ से ज्यादा बच्चों को छात्रवृत्ति

योगी ने कहा कि पिछले साल 69 लाख विद्यार्थियों को 6200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई। उनके मुताबिक, पिछले नौ वर्षों में चार करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया गया है। उन्होंने मंत्री संजीव कुमार गोंड, असीम अरुण, दानिश आजाद और नरेंद्र कश्यप का उदाहरण देते हुए कहा कि ईमानदारी से प्रयास करने पर परिणाम भी मिलता है।

पुलिस मुठभेड़ में गोकशी के दो आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर,संवाददाता। घायल आरोपी की पहचान सिकरीगंज थाना क्षेत्र के इमलीडीह खुर्द निवासी अब्दुल रहमान उर्फ राजू के रूप में हुई। उसके चाचा नूरूल हसन को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब्दुल रहमान को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र में मालहनपार रोड स्थित चीनी मिल के पास शनिवार भोर करीब 4:30 बजे पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, दो बाइक से पहुंचे चार वांछित बदमाशों ने पुलिस टीम को देखते ही तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई जबकि बाइक चला रहा उसका साथी गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान दूसरी बाइक पर सवार दो बदमाश फरार हो गए।



पुलिस की गिरफ्त में आरोपी –

घायल आरोपी की पहचान सिकरीगंज थाना क्षेत्र के इमलीडीह खुर्द निवासी अब्दुल रहमान उर्फ राजू के रूप में हुई। उसके चाचा नूरूल हसन को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब्दुल रहमान को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, निरंकार आश्रम के पास खेत में गोवंशीय पशुओं के क्षत–विक्षत अवशेष मिलने के बाद अज्ञात के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना से नाराज ग्रामीणों ने गोला–कौड़ीराम मार्ग पर प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

समर्थन के बदले टिकट!



राज्यसभा चुनाव

- विधायकों को हर हाल में साथ लाने का खेल
- एक सीट निकालने के लिए 37 वोटों की जरूरत
- क्रॉसवोटिंग की आशंका से दहशत में राजनीतिक दल

विधायकों को हर हाल में साथ लाने का खेल

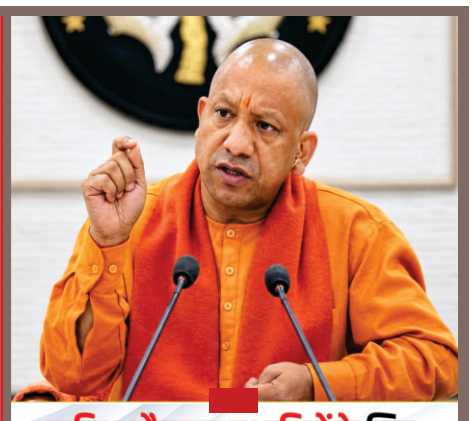
नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी राज्यसभा चुनाव में समर्थन के बदले टिकट का संकेत हैं। विधायकों को हर हाल में साथ लाने का खेल चल रहा है। 10 सीटों के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव में एक सीट निकालने के लिए प्रथम वरीयता के 37 वोटों की जरूरत होगी। चुनाव हुआ तो क्रॉसवोटिंग की आशंका से राजनीतिक दलों में दहशत है। उत्तर प्रदेश में भाजपा और समाजवादी पार्टी की नजर राज्य के उन माननीयों पर है जो आगामी विधानसभा चुनाव में अपना टिकट कटने की आशंका में डरे हुए हैं। दोनों ही दलों की तरफ से ऐसे विधायकों को अपने पाले लाने की पुरजोर कोशिश की जा रही है। राज्यसभा चुनाव के लिए हो रही इस कवायद में असंतुष्ट और आशंकित विधायकों को आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी पंसद की जगह से टिकट देने के संकेत दिए जा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने अभी पत्ते नहीं खोले हैं।



"राज्यसभा चुनाव का समय संगम का होता है, अभी भी मौका है, लोग साथ आ सकते हैं", ओपी राजभर के तलाक वाले बयान पर बोले अखिलेश



बीएसपी के फैमिली ड्रामे में नया मोड़, आकाश की वापसी के संकेत



बारिश और बाढ़ प्रभावितों के लिए सीएम योगी ने तत्काल राहत देने के निर्देश दिए

सम्पादकीय

विश्व को चिंतित करने वाली घटना

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित ने फ्लाई दुबई की उड़ान में सह-पायलट के हमले को नाकाम कर एक बड़े विमान हादसे को टाल दिया

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित की बहादुरी और सूझबूझ की प्रशंसा इस समय पूरी दुनिया में हो रही है। उन्होंने जिस साहस और कौशल का परिचय देते हुए फ्लाई दुबई की फ्लाइट को एक सह–पायलट के विमान को क्रैश करने के इरादे को नाकाम किया, वह अकल्पनीय है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट में ओमान मूल के सह पायलट ने अचानक कैप्टन स्मित पर हमला कर दिया। माना जा रहा है कि हमलावर विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उसे गिराना चाहता था। सोचिए उस समय विमान में बैठे लोगों की क्या स्थिति हुई होगी, जब काकपिट में हिंसक संघर्ष के दौरान विमान लगभग 17,400 फीट नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने अदम्य साहस से सह पायलट से संघर्ष किया और काकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हुए। बाहर से काकपिट का दरवाजा नहीं खोला जा सकता। अगर स्मित दरवाजा नहीं खोलते तो कुछ भी हो सकता था। दरवाजा खुल जाने के कारण ही यात्री मदद के लिए अंदर आ सके और यात्री के रूप में बैठे दो पायलटों ने विमान को नियंत्रण में लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल सही कहा कि कैप्टन स्मित ने बहादुरी से मुकाबला कर 9/11 जैसी एक और घटना को होने से रोक दिया। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी उन्हें 9/11 की पुनरावृत्ति रोकने वाला बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी भारतीय पायलट की प्रशंसा की।

जिन्हें भी हवाई जहाज उड़ाने का अनुभव है, वे इस घटना को असाधारण बहादुरी मानते हैं। दुर्भाग्यवश भारत में कुछ ऐसे नैरेटिव निर्माता भी हैं, जो इसे इजरायल का फाल्स फ्लैग आपरेशन यानी स्वयं की ओर से की गई कार्रवाई बताकर शर्मनाक हरकत कर रहे हैं। इन कुंठित लोगों पर चर्चा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि संपूर्ण विश्व के समाचार पत्रों ने इस पर टिप्पणियां छापी हैं। इसके अतिरिक्त जांच आरंभ हो गई है और सारी सच्चाई सामने आ जाएगी।

इस घटना से 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले की स्वाभाविक ही चर्चा आरंभ हो गई है, जो इस सदी की पहली सबसे बड़ी और पूरी दुनिया को हिला देने वाली आतंकी घटना थी। उस दिन आतंकियों ने चार विमानों का अपहरण किया था। पहले विमान को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तरी टावर से टकराया गया। कुछ देर बाद दूसरा अपहृत विमान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दक्षिणी टावर से टकराया गया।

इससे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दोनों टावर ताश के पत्तों की तरह ढह गए। तीसरे विमान को वाशिंगटन के रक्षा मुख्यालय पेंटागन से टकराया गया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया के पीट्सबर्ग में ध्वस्त हो गया था। उसका निशाना कैंप डेविड था। अमेरिका उन हमलों को नहीं रोक पाया था। 9/11 हमले में शामिल आतंकी अच्छी डिग्री वाले उच्च परिवारों के थे। इनका उद्देश्य अमेरिका के अहम को ध्वस्त करना था। ओमानी सह पायलट विमान को कहां टकराना चाहता था, अभी इसकी जानकारी नहीं, किंतु इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि 2001 से इन 25 वर्षों में जिहादी आतंक की मानसिकता इतने विस्तृत रूप में फैल चुकी है कि आतंकियों के तौर–तरीकों को समझना लगभग असंभव है। इस घटना ने फिर से इसकी पुष्टि की कि 1990 के बाद से विश्व में नए सिरे से आरंभ जिहादी आतंकवाद वैचारिक रूप से खतरनाक स्तर तक फैल चुका है।

वाह! देश के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरो

भारतीय खेलों की ऐतिहासिक तारीख के तौर पर याद की जाती रहेगी। क्या 'स्वर्णिम दिन' रहा! एक ही दिन में 4 बहुमूल्य 'स्वर्ण पदक'..! सिर्फ तीरंदाजी में ही, एक के बाद एक, तीन स्वर्णिम उपलब्धियां और एक स्वर्ण पदक निशानेबाजी के नाम३! वाह, देश के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरो!! वक्त के उन पलों में लगता रहा मानो 'सर्वकालीन, महाश्रेष्ठ धनुर्धर' अर्जुन ही अवतरित हो गए हों! यकीनन देश के युवा धनुर्धरों और निशानेबाजों के हुनर अप्रतिम, अद्वितीय, अतुलनीय हैं। उन्होंने जापान के मैदान पर दक्षिण कोरिया और चीन के महारथी, चैंपियन धनुर्धरों को लगातार धूल चटाई और भारत माता के शीश पर 'स्वर्णिम सेहरा' सजाया। कालजयी धनुर्धर अर्जुन के इन वंशजों में महाराष्ट्र के साहिल जाधव, आंध्रप्रदेश के गणेश मणिरत्नम, हरियाणा के कुशल दलाल संपूर्ण और साझा रूप में 'भारतीय' थे। बेशक वे सचिन, विराट, रोहित की तरह लोकप्रिय न हों, लेकिन आज वे भारत के 'चौंपियन अर्जुन' हैं और 2028 के लॉस एंजिलिस के ओलिंपिक का टिकट भी भारत की झोली में संजो चुके हैं। हमारे देश की बेटियों में ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिता, प्रितिका प्रदीप ने महिलाओं की कंपाउंड तीरंदाजी की प्रतिस्पर्द्धा में 'स्वर्णिम सफलता' प्राप्त की। निशानेबाजी में मप्र की नीरू ढांडा और तीरंदाजी में महाराष्ट्र के साहिल और तेलंगाना में किसान की बेटी चिकिता की जोड़ी ने दो–दो स्वर्ण पदक जीते। दो बार पोडियम पर चढने का गौरव प्राप्त किया। दो बार 'तिरंगे' को ऊपर की ओर जाते, फहराते देखा और कई बार राष्ट्रगान 'जन गण मन..' की धुन सुनी।

यकीनन ये नए भारत के, नए हुनरमंद, नए अंतरराष्ट्रीय चैंपियन और युवा चेहरे हैं, जिनके निशाने लगातार, सटीक '10' पर जाकर ध्वनित होते रहे। दरअसल ये नौजवान खिलाड़ी ही देश के सकारात्मक, रचनात्मक और विजेता 'जेन–जी' हैं। देश के मान–सम्मान हैं, देश के सच्चे प्रतिनिधि हैं, वाकई 'भारतीय' हैं। यकीनन ये ही भारत का भविष्य हैं। किसी के किसान पिता ने औने–पौने दाम पर जमीन बेची, किसी की मां ने गहने बेचे, किसी के घरवालों ने कर्ज लिया, नीरू और चिकिता के घर में तो टीवी भी नहीं है। नीरू की मां ने राशनवाले की दुकान पर टीवी पर तस्वीर देखी कि बेटी 'स्वर्ण पदक' धारण कर रही है, तो भावुक होना स्वाभाविक था। चिकिता के भाई ने पिता को खुशखबरी दी कि बहना ने दो स्वर्ण पदक जीत लिए हैं। वे परिजन आसमान में, हवाओं में उडना महसूस कर रहे होंगे! मिश्रित निशानेबाजी (ट्रैप) में नीरू के साथी कायनन चेनाई ने तो पिता की 30 साल पुरानी बैरल बंदूक से निशाने साधे और 'स्वर्ण पदक' जीत कर भारत को गर्व, गौरव, श्रेष्ठता के एहसास कराए। कायनन के पिता भी नेशनल चौंपियन थे। ज्योति ने तो मात्र 4 साल की उम्र में तीन बार 'कृष्णा नदी' को पार कर लिया था, नतीजतन उन्हें 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' का सम्मान मिला। इस 'लडकी धनुर्धर' ने 2022–23 के एशियाई खेलों में, अकेले ही, 'तीन स्वर्ण पदक' जीत कर दुनिया को भौंचक्क कर दिया था। वैसे तो आज क्रिकेट की टीम इंडिया का भी ऐतिहासिक उल्लेख किया जाना चाहिए। उसने पहली बार 'हिमालय से भी ऊंचे' 406 रनों को चेज करते हुए अविस्मरणीय जीत हासिल की है। कप्तान शुभमन गिल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं, लेकिन नाबाद 223 रनों की पारी, सिर्फ 133 गेंदों में, खेल कर वह 'प्रथम भारतीय बल्लेबाज' भी बन गए हैं। दुनिया में उनका स्थान दूसरा है। यकीनन टीम इंडिया ने अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय क्रिकेट खेली है। बहरहाल आज की तारीख हम एशियाई खेलों के खिलाडियों को ही समर्पित करना चाहते हैं, लिहाजा यह भी गौरतलब है कि महिला हॉकी टीम 1982 के बाद, 44 लंबे सालों के संघर्षों के बाद, सबसे अधिक बार एशिया चौंपियन रही दक्षिण कोरिया की टीम को हरा कर फाइनल में पहुंची है। 'स्वर्णिम रोशनियां' उन खिलाडियों को भी दिख रही होंगी! कुछ और खिलाड़ी भी फाइनल में पहुंचे हैं। अब भारत 10 स्वर्ण समेत कुल 60 पदक जीत कर 8वें स्थान तक छलांग लगा चुका है। अब आप मैच देखिए और पदकों की गिनती करते रहिए। आशा है कि भारत कुछ और पदक जीत कर अपने प्रदर्शन में सुधार करेगा। फिलहाल, जय हो।

बेटियों को गोल्ड राशि मिले

कुछ फैसले ऐसे भी होते हैं कि जहां अभिलाषा का समुद्र और गहरा हो जाता है। बेशक एशियन गेम्स ने इस बार हिमाचल के आईने में झांका तो कई मेडल के करीब यहां की प्रतिभा दिखाई दी। यही वजह रही कि हिमाचल सरकार ने अपने पैमाने से 5.33 करोड़ की नकद राशि छह खिलाडियों के नाम कर दी। यहां मेडल की निजी भूमिका में अंदाज बदला तो अब आबंटन के मानदंड पर एक बहस शुरू हुई है। मैराथन में सावन बरवाल को 2.50 करोड़, लंबी दौड़ में सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ और कबड्डी की चार खिलाडियों को करीब 1.33 करोड़ का संयुक्त पुरस्कार मिला है। इस संदर्भ में कबड्डी खिलाडियों ने गोल्ड मेडल के पैमाने को इंसाफ से भरने की दुआ मांगी है। तर्क यह है कि एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल को चार करोड़ की राशि रखी है, तो इसे रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर के बीच बराबर में बांट दिया जाए। दूसरी ओर भारतीय कबड्डी के जो खिलाड़ी हरियाणा से आती हैं, उन्हें वहां की सरकार तीन–तीन करोड़ की राशि दे रही है। हमें लगता है कि एशियन गेम्स में गोल्ड तक पहुंचने में हिमाचली बेटियों की भागीदारी इतना तो अधिकार रखती है कि उनका अपना प्रदेश सम्मानजनक भविष्य की कामना में न केवल उचित व वांछित राशि प्रदान करे, बल्कि सरकारी नौकरी का तमगा भी पेश करे। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल पिछले कुछ सालों से खेलों के प्रति उदारता दिखाते हुए खिलाडियों की पुरस्कार राशि में निरंतर बढ़ोतरी कर रहा है। खेल वातावरण में सुधार की गुंजाइश से अधोसंरचना निर्माण तथा प्रशिक्षण में भी चमक लाई जा रही है। सर्वप्रथम धूमल सरकार ने प्रशिक्षण में प्रतिबद्धता तथा अधोसंरचना में निखार लाने का प्रयास किया। प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने न केवल 45 के करीब विभिन्न खेलों के लिए कोच नियुक्त किए, बल्कि कारपोरेट जगत की मदद से हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक्स का निर्माण करवाया। यह दीगर है कि हालिया वर्षों में भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला केंद्र में कुछ खेलें मौन या गौण हो गई हैं। प्रदेश को अगर खेलों में और प्रतिभाएं लानी हैं, तो ग्रामीण व स्कूल गेम्स को बढ़ावा देना होगा। आश्चर्य यह कि हिमाचल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कई निजी व सरकारी स्कूलों में खेलों की माकूल व्यवस्था ही नहीं है। इसी तरह राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा का वातावरण मुकम्मल करते–करते खेलें पिछड़ गई। पंजाब के गुरुनानक विश्वविद्यालय का उदाहरण हमारे समक्ष है, जहां हिमाचल के कई प्रतिभावान खिलाड़ी पढ़ाई के बीच अपना जज्बा कायम रखते हैं। गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अपने छात्रों के लिए हिमाचल में समर कैंप तथा वाटर स्पोर्ट्स के लिए अभ्यास कराता रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश तथा मंडी विश्वविद्यालय को भी समर कैंप शुरू करने चाहिएं। हिमाचल को खेलों में मुकम्मल जगह बनानी है, तो मणिपुर से सीख लेनी चाहिए। आश्चर्य यह नहीं कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने कुछ नहीं किया, बल्कि यह जरूर है कि सत्ता बदलते ही परियोजनाएं भी बदल जाती हैं। बतौर खेल मंत्री राकेश पठानिया ने नूरपुर स्पोर्ट्स परिसर को एक महत्त्वाकांक्षी आकार देने की ठानी, लेकिन बदलती राजनीति ने इसे उपेक्षित कर दिया। हिमाचल में खेलों के ठोस आधार के लिए यहां एक बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होना चाहिए ताकि एक ही साथ कई स्थानों पर खेल ढांचा विकसित हो जाए। बहरहाल देश के लिए कबड्डी में गोल्ड लेकर आईं चार हिमाचली बेटियों द्वारा की गई न्यायोचित पुरस्कार राशि की मांग पर सौहार्दपूर्ण विचार करते हुए सुक्खू सरकार को पूर्व घोषित राशि में बढ़ोतरी कर देनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस बार भारतीय महिला कबड्डी का नेतृत्व हिमाचली बेटी पुष्पा राणा ही कर रही थी।

हिंसक समाज-एक विसंगति

पुलिस की ताकत भी सभ्य और अहिंसक समाज ही है। अगर सभी हिंसक और कानून तोडने वाले हो जाएंगे तो पुलिस किस किस को पकड़ेगी। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि अहिंसक समाज की रचना में अपना योगदान दें। शिक्षा में इन बातों को जोड़ा जाए। सुबह शाम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने की कोशिश करें। पांच दस साल तक दिए संस्कार आजीवन सही दिशा दिखाते हैं। शासन तो कुछ मनमानी करने वाले जोरावर किस्म के गैर जिम्मेदार लोगों को नियंत्रित करने के लिए ही बना। इसीलिए सबसे पहले शासन नामक संस्था की नींव पड़ी, जिसकी पहली अभिव्यक्ति कबीले के सरदार के रूप में हुई। फिर छोटे राजे, बड़े रजवाड़ों से होते हुए हम वर्तमान राष्ट्रों तक पहुंचे हैं। मणिपुरी गिटार वादक चोंग्थांग विक्रम सिंह की 6 सितंबर को दिल्ली में की गई मौब लिंचिंग हत्या की घटना हृदय विदारक होने के साथ साथ समाज के पतन का भी प्रमाण है। दिल्ली को देश का दिल कहा जाता है। यह देश व्यापी हिंसक संस्कृति के विकास का भी प्रमाण है। हत्या के पीछे एक मामूली हस्तक्षेप था। गिटार वादक ने उसके आवास के बगल में डीजे और शराब पीकर शोर शराबा न करने के लिए ही कहा था। इसी बात पर उस प्रसिद्ध कलाकार को पीट पीट कर मार डाला गया। दिल्ली इस तरह की घटनाओं की पहले भी गवाह बनती रही है। जब पूर्वोत्तर के लोगों के साथ ऐसी घटना होती है तो उसमें नस्ली भेदभाव का भाव भी जुड़ जाता है। यह देश की एकता और अखंडता के लिए भी चिंताजनक बात है। कुछ शराबी मनचलों को देश की राजधानी में इस तरह अराजक हिंसक व्यवहार की छूट न केवल चिंता की बात है, बल्कि घटियापन और शर्मिंदगी की भी मिसाल है।

दोषियों को तो कड़ी से कड़ी सजा मिलनी ही चाहिए, किन्तु समग्र समाज और उसमें दी जा रही शिक्षा, और पारिवारिक संस्कारों पर भी सवाल उठाना जरूरी है। हमें आत्मावलोकन करना पड़ेगा कि क्या कारण हो गया है कि हम बात बात पर आपे से बाहर हो जाते हैं। इसे बहादुरी तो कदापि नहीं कह सकते, यह तो विकृत मानसिकता पूर्ण कायरता का नमूना है। जब हमारी समझ अक्ल से समझदारीपूर्ण तरीके से समस्या का समाधान करने में असमर्थ हो जाती है तब हम हिंसक व्यवहार द्वारा अपनी धाक जमाने की दिशा में मुड़ते हैं। बहादुरी सीमा पर होती है, या गुंडों से निपटने में हो सकती है। यह व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के दायरे से भी बाहर की बात है। व्यक्तिगत स्वतन्त्रता हमेशा दूसरे की स्वतन्त्रता का उल्लंघन नहीं करने से भी जुड़ी रहती है। जब हम किसी के साथ इस तरह का हिंसक व्यवहार करेंगे तो कोई हमारे साथ भी ऐसा व्यवहार कर सकता है। तब हमारे पास कोई तर्क अपने बचाव के लिए नहीं बचेगा। संविधान, कानून और सामाजिक व्यवस्था की यह मांग है कि हम दूसरे की स्वतन्त्रता का उल्लंघन न करें, बल्कि सम्मान करें। जब हम हिंसक व्यवहार करते हैं तो दूसरे को भी प्रतिहिंसा या बदले के लिए प्रेरित करते हैं। इस तरह समाज तो हिंसा–प्रतिहिंसा में ही फंसा रहेगा। कब रचनात्मक सोच और काम के लिए समय निकलेगा। समाज अशांति का शिकार हो जाएगा। अशांत समाज कभी सुखी नहीं हो सकता। इनसान का सारा संघर्ष तो सुखपूर्वक जीवन जीने के लिए ही है। पहाड़ में तो परंपरा रही है कि जब दो रिश्तेदार या परिचित मिलते हैं तो सुख–शांति संदेश का आदान प्रदान करते हैं। हम भी सुखी और शांत हैं और आप भी सुखी और शांत हों। किन्तु अब तो उलटी धारा बहने लगी है। अपराध वृत्ति के लोग तो लूट, डकैती, फिरौती आदि में लगे ही हुए हैं, किन्तु यदि आम आदमी भी बात बात पर हिंसक होने लगे तो गुंडे और शरीफ का अंतर तो मिट ही जाएगा। आये दिन रोड रेज की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। तुम्हारी गाड़ी मेरी गाड़ी से आगे कैसे निकल गई, छू कैसे गई, हॉर्न क्यों बजा दिया, ऐसी छोटी छोटी बातों पर भी हम बातचीत या कानूनी तरीके से बात निपटाना भूलते जा रहे हैं। पर्यटन के लिए निकलते हैं तो तलवारें, लाठियां और कट्टे लेकर निकलते हैं। आखिर हम डर किससे रहे हैं या डराना किसे चाहते हैं। डरने डराने में ही जिन्दगी निकल जाएगी और फंस गए तो जेल में। एक रचनात्मक क्रियाशील और सुखी–विकासशील समाज की रचना आंतरिक शांति से ही की जा सकती है, जिसकी जिम्मेदारी केवल कानून व्यवस्था बनाने वाली पुलिस पर ही नहीं डाली जा सकती। पुलिस की ताकत भी सभ्य और अहिंसक समाज ही है। अगर सभी हिंसक और कानून तोडने वाले हो जाएंगे तो पुलिस किस किस को पकड़ेगी। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि अहिंसक समाज की रचना में अपना योगदान दें। शिक्षा में इन बातों को जोड़ा जाए। सुबह शाम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने की कोशिश करें। पांच दस साल तक दिए संस्कार आजीवन सही दिशा दिखाते हैं। शासन तो कुछ मनमानी करने वाले जोरावर किस्म के गैर जिम्मेदार लोगों को नियंत्रित करने के लिए ही बना। इसीलिए सबसे पहले शासन नामक संस्था की नींव पड़ी, जिसकी पहली अभिव्यक्ति कबीले के सरदार के रूप में हुई। फिर छोटे राजे, बड़े रजवाड़ों से होते हुए हम वर्तमान राष्ट्रों तक पहुंचे हैं। कानून हाथ में लेने की जरूरत नहीं है।



गोरखपुर में राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ा, महानगर के गांवों में घुसा पानी



संवाददाता, गोरखपुर। नेपाल से आ रहे पानी के कारण राप्ती नदी के जलस्तर में शुक्रवार को भी बढ़ जारी रही। राप्ती नदी बर्डघाट में खतरे के निशान से 41 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। राहत की बात यह है कि राप्ती नदी के बढ़त की गति थमी है। 16 घंटे में नदी सिर्फ चार सेंटीमीटर ही बढ़ी है। सरयू नदी के जलस्तर में भी कमी आ रही है लेकिन बरहज में नदी खतरे के निशान से अब भी 1.55 मीटर ऊपर बह रही है इसलिए राप्ती नदी का जलस्तर कम नहीं हो रहा है। जब सरयू नदी में जलस्तर कम होता है तो राप्ती नदी भी घटना शुरू करती है। बड़हलगंज के पटनाघाट में सरयू से मिलने वाली राप्ती का पानी बरहज होते हुए बलिया के तुर्तीपार में गंगा नदी में मिलती है। गोर्रा नदी भी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। शुक्रवार सुबह आठ बजे नदी खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। रोहिन नदी अब खतरे के निशान से 35 सेंटीमीटर चली गई है। नदी के जलस्तर में लगातार कमी आ रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राप्ती नदी की तेजी में कमी आएगी।



महानगर के आसपास के गांवों में अलर्ट

राप्ती के जलस्तर में बढ़त को देखते हुए महानगर के आसपास के गांवों में लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। नाव लगा दी गई है। बहरामपुर दक्षिणी, बहरामपुर उत्तरी, शेरगढ़ के साथ ही खिरवनिया गांव और आसपास के गांवों के ग्रामीणों को सतर्क और सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। लोगों की सुविधा के लिए स्टीमर पहले ही लगा दिया गया है।

जमीन खरीदने से पहले सिर्फ खतौनी नहीं

वर्तमान खतौनी और विक्रेता के नाम का विवरण मिलाएं। पुरानी रजिस्ट्री, नामांतरण रिकॉर्ड और गाटा संख्या की जांच करें। जमीन पर कोई विवाद या ऋण तो नहीं, सुनिश्चित करें।

गोरखपुर,संवाददाता। जमीन खरीदते समय लोग अक्सर खतौनी में नाम देखकर संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन सिर्फ खतौनी में नाम दर्ज होना ही जमीन खरीदने के लिए पर्याप्त जांच नहीं है। जमीन का सौदा करने से पहले उसके पुराने दस्तावेज, गाटा नंबर, क्षेत्रफल और स्वामित्व से जुड़े रिकॉर्ड को आपस में मिलाना जरूरी है। थोड़ी सी सावधानी खरीदार को बाद के विवाद से बचा सकती है।

1– वर्तमान खतौनी जरूर देखें

सबसे पहले जमीन की वर्तमान खतौनी निकालकर देखें। इसमें दर्ज खातेदार का नाम, गाटा संख्या और जमीन का क्षेत्रफल विक्रेता द्वारा बताए गए विवरण से मिलाएं।

नाम या जमीन के विवरण में अंतर हो तो पहले इसकी वजह पता करें।

2– पुरानी रजिस्ट्री या बैनामा देखें

विक्रेता को जमीन कैसे मिली, यह जानना भी जरूरी है। उसकी पुरानी रजिस्ट्री या बैनामा देखकर पता करें कि उसने जमीन किससे और कब खरीदी थी। दस्तावेज में दर्ज गाटा नंबर और क्षेत्रफल को वर्तमान रिकॉर्ड से मिलाएं।

3– नामांतरण का रिकॉर्ड जांचें

अगर विक्रेता ने जमीन खरीदने या विरासत में मिलने के बाद अपना नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराया है तो उससे संबंधित नामांतरण का रिकॉर्ड भी देखें। इससे पुराने दस्तावेज और वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड के बीच कड़ी समझने में मदद मिलती है।

4– गाटा नंबर और रकबा मिलाएं

एक ही गांव में कई जमीनों के गाटा नंबर होते हैं। इसलिए केवल जमीन का नाम या स्थान बताकर सौदा न करें। गाटा नंबर, रकबा और खाता संख्या दस्तावेजों में एक समान हैं या नहीं, यह जांचें।

5– जमीन का नक्शा देखें

भू–नक्शे में जमीन की स्थिति और गाटा नंबर को मौके की जमीन से मिलाना भी जरूरी है। जमीन पर जाकर उसकी सीमा और आसपास की जमीन की स्थिति देखें। इससे कागज और मौके की स्थिति में अंतर का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

6– जमीन पर कोई भार या विवाद तो नहीं

खरीद से पहले यह भी पता करें कि जमीन किसी ऋण, बंधक या न्यायालयी विवाद से जुड़ी तो नहीं है। सिर्फ विक्रेता के कहने पर भरोसा करने के बजाय संबंधित रिकॉर्ड और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच करें। किसी मुकदमे या कानूनी विवाद की जानकारी मिले तो विशेषज्ञ से दस्तावेजों की जांच कराएं।

7– रजिस्ट्री कार्यालय के रिकॉर्ड से मिलान

अंत में उपलब्ध दस्तावेजों का पंजीकरण संबंधी रिकॉर्ड से मिलान कराना महत्वपूर्ण है। खासकर तब, जब विक्रेता के पास पुरानी रजिस्ट्री की प्रति हो और जमीन कई बार खरीदी–बेची जा चुकी हो।

दस्तावेजों में अंतर मिले तो क्या करें

अगर खतौनी में नाम कुछ और है, पुरानी रजिस्ट्री में कुछ और विवरण है या गाटा नंबर और रकबे में अंतर दिखाई देता है तो जल्दबाजी में एडवांस या पूरी रकम देने से बचें। पहले अंतर की वजह स्पष्ट कराएं और जरूरत पड़ने पर संबंधित राजस्व या पंजीकरण कार्यालय से सत्यापन कराएं।

गोरखपुर में भाजपा पार्षद की बाइक 30 सेकंड में चोरी

सीसीटीवी में कैद हुए चोर युवक–युवती

संवाददाता, गोरखपुर। भाजपा पार्षद की बाइक कार्यालय के सामने से 30 सेकेंड में चोरी हो गई। सीसी कैमरे में कैद युवक और युवती वारदात को अंजाम देने के बाद तेज रफ्तार में बाइक लेकर फरार हो गए। यह मामला एम्स थाना क्षेत्र का है। वार्ड नंबर 18 के भाजपा पार्षद रामनाथ निषाद की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर फुटेज में कैद आरोपितों की तलाश कर रहीं है।

पार्षद के अनुसार, झारना टोला स्थित वह अपने कार्यालय में स्थानीय लोगों के साथ बैठे थे। उनकी बाइक कार्यालय के बाहर खड़ी थी। गुरुवार की रात नौ बजे बाहर निकले तो बाइक गायब मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्यालय तथा आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में युवक और युवती कार्यालय के पास आते दिखाई दे रहे हैं। युवक के हाथ में प्लास्टिक का थैला था, जिसे उसने युवती को पकड़ा दिया। इसके बाद युवती आगे चली गई। युवक बाइक के पास पहुंचा और चाबी लगाकर उसे स्टार्ट कर दिया। बाइक लेकर कुछ दूर जाने के बाद उसने युवती को भी बैठा लिया और दोनों फरार हो गए। युवक ने काली टी–शर्ट और जींस, जबकि युवती ने काले रंग का चमकदार सूट पहन रखा था।

रेलवे प्वाइंट्समैन के लिए खुशखबरी

गोरखपुर,संवाददाता। प्वाइंट्समैन के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। अब प्वाइंट्समैन का 2800 से 4200 ग्रेड पे तक प्रमोशन संभव हो सकेगा। अधिकतर प्वाइंट्समैन 2400 ग्रेड पे तक पहुंचकर रिटायर हो जा रहे थे। रेलवे बोर्ड ने भारतीय रेलवे स्तर पर प्वाइंट्समैन कैडर में प्रमोशन की नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब उन्हें प्रत्येक दो साल की सेवा पर अगला ग्रेड मिल जाएगा। इसके लिए संबंधित कर्मचारी को निर्धारित दो वर्ष की क्वालिफाइंग सर्विस (योग्यता सेवा) या रेजिडेंसी पीरियड (सेवा करने की समय–सीमा) पूरी करनी होगी। रेलवे बोर्ड ने जारी निर्देश में प्वाइंट्समैन के चार ग्रेड निर्धारित करते हुए उनके बीच पदोन्नति की स्पष्ट व्यवस्था तय की है। ग्रेड–4 से ग्रेड–1 तक क्रमिक रूप से पदोन्नति होगी। ग्रेड–4 के पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। इसके लिए भर्ती के मौजूदा नियम लागू होंगे।

न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10वीं पास, आइटीआइ अथवा समकक्ष या एनसीवीटी से प्राप्त नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट (एनएसी) होगी। ग्रेड–4 से ग्रेड–3 में पदोन्नति वरिष्ठता–सह–उपयुक्तता के आधार पर होगी। इसी तरह ग्रेड–3 से ग्रेड–2 और ग्रेड–2 से ग्रेड–1 में भी वरिष्ठता–सह–उपयुक्तता के आधार पर पदोन्नति होगी। दोनों स्तरों पर निर्धारित दो वर्ष की सेवा अवधि पूरी करनी होगी।

इस तरह प्वाइंट्समैन के लिए पदोन्नति की नई सीढ़ी ग्रेड–4 (लेवल–1) से ग्रेड–3 (लेवल–2) से ग्रेड–2 (लेवल–4) से ग्रेड– 1 (लेवल–5) पर जाकर पूरी होगी। रेलवे बोर्ड के उप निदेशक संजय कुमार ने एक अक्टूबर, 2026 को पत्र लिखकर सभी जोनल रेलवे और प्रोडक्शन यूनिट के महाप्रबंधकों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिया है। उन्होंने कहा है कि क्षेत्रीय रेलवे नई व्यवस्था के अनुरूप प्वाइंट्समैन कैडर से संबंधित नियमों में आवश्यक संशोधन और अपडेट करें। नए निर्देश जारी होने की तारीख से प्रभावी होंगे। रेलवे बोर्ड के इस फैसले से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में खुशी है। कर्मचारी संगठनों ने निर्णय का स्वागत किया है। नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन रेलवे मेन (एनएफआइआर) के महामंत्री डा. एम राघवैया और आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआइआरएफ) के (जनरल सेक्रेटरी) शिव गोपाल मिश्र ने प्वाइंट्समैन कैडर के प्रमोशन को रेलवे बोर्ड के समक्ष स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठक में उठाया था।

गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर सपा प्रत्याशी बदलने की अटकलें

सपा ने कमलेश यादव का नामांकन कार्यक्रम अचानक स्थगित किया। डॉ. संजयन त्रिपाठी को नया प्रत्याशी बनाने पर मंथन जारी। अखिलेश यादव की ओर से स्थिति स्पष्ट होने की संभावना।

संवाददाता, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को लेकर शुक्रवार को अचानक राजनीतिक हलचल बढ़ गई। सपा ने पहले से घोषित प्रत्याशी कमलेश यादव के शनिवार को प्रस्तावित नामांकन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। पार्टी जिलाध्यक्ष ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम स्थगित होने की जानकारी दी है। इसके बाद प्रत्याशी बदलने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कमलेश यादव को सपा ने काफी पहले अपना प्रत्याशी घोषित किया था। इसके बाद से वह क्षेत्र में शिक्षकों से संपर्क कर चुनाव की तैयारी में जुटे थे। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के पहले ही दिन उन्होंने तीन सेट में पर्चा भी खरीदा था। तीन अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने का कार्यक्रम तय था। शुक्रवार रात अचानक कार्यक्रम स्थगित होने से सपा के भीतर नए समीकरण बनने की चर्चा शुरू हो गई। सपा सूत्रों के अनुसार कमलेश यादव को अचानक लखनऊ बुलाया गया। इसी बीच भाजपा से टिकट नहीं मिलने वाले डा. संजयन त्रिपाठी की सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की चर्चा सामने आई। इससे पहले गुरुवार को डा. संजयन ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया था। भाजपा का टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने अपनी गाड़ी से पार्टी का झंडा भी हटा दिया था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह चिल्लूपार के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी डा. संजयन को लेकर लखनऊ रवाना हुए।

गोरखपुर में राप्ती-सरयू का रौद्र रूप, घरों में घुसा पानी

35 गांव बाढ़ की चपेट में



संवाददाता, गोरखपुर। नेपाल और महराजगंज से आ रहे पानी ने राप्ती नदी में उफान ला लिया है। महानगर के तीन गांवों में राप्ती का पानी घुस गया है। यहां प्रयागराज से स्टीमर मंगाकर चलाया जा रहा है। बड़हलगंज के कछार में राप्ती का साथ पाकर सरयू ने विकराल रूप धारण करना शुरू किया है। यहां घरों में पानी घुसने लगा है। जिले में 35 गांव बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं। राप्ती और सरयू नदियों में वेग देख विशेषज्ञ भी हैरान हैं। आपदा विशेषज्ञ गौतम गुप्ता ने कहा कि नदियों के पानी में वेग ज्यादा है। ऐसे में सभी को अलर्ट पर रखा गया है। किसी भी हाल में कोई नदियों के किनारे न जाए। राप्ती नदी बुधवार शाम चार बजे बर्डघाट में खतरे के निशान से 27 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। नदी के जलस्तर में लगातार बढ़त को देखते हुए गुरुवार को खिरवनिया, कठउर आदि गांवों में बाढ़ का पानी पहुंचने की संभावना है। इस बीच राप्ती नदी का पानी राजघाट में महायोगी गुरु गोरक्षनाथ घाट को पूरी तरह डुबा चुका है। पानी हार्बर्ट बांध के पास लकड़ी मंडी में पहुंच गया है। इस कारण घाट पर जाने का रास्ता बंद हो चुका है। यहां सिंचाई विभाग की ओर से कराया जा रहा मुख्य द्वार का निर्माण कार्य भी ठप हो गया है। शव दाह के लिए लोगों को शेड में जाना



पड़ रहा है। बहरामपुर उत्तरी, बहरामपुर दक्षिणी और शेरगढ़ गांव में पानी घुसने के बाद स्टीमर लगा दिया गया है। यहां प्रशासन ने राहत सामग्री के साथ ही भोजन का भी वितरण शुरू कर दिया है।





राप्ती नदी के बढ़ते जलस्तर से बहरामपुर गांव में घुसा बाढ़ का पानी, प्रशासन ने उतारी नाव



बड़हलगंज में 30 गांव चपेट में आए

बड़हलगंज विकास खंड के कछार क्षेत्र में राप्ती और सरयू नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ने से स्थिति गंभीर हो गई है। क्षेत्र के सभी प्रमुख मार्गों पर बाढ़ का पानी बह रहा है। 30 से अधिक गांव बाढ़ से घिर गए हैं। 18 गांवों के लोग नाव से आवागमन कर रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। राप्ती के पानी से खोहियापट्टी, हिगुंहार, लखनौरी, लखनौरा, मैंभरा, बिहुआ उर्फ अगलगौआ, मच्छरगांवा, जगदीशपुर, मोहनपौहरिया, सुबेदारनगर मांझा, पटना, पौहरिया, तुर्कवलिया, रामनगर, नेतवारपट्टी, कोइलीखाल, मुंडेरा बेनी प्रसाद, बेलवा दाखिली, मरकड़ी और नचना टोला समेत गांव चारों तरफ से घिर गए हैं। वहीं सरयू के पानी से कोलखास, ज्ञानकोल, मुसाडोही, खैराटी, कोटियानिरंजन, बगहादेवार, गोनहा, दिस्तवलिया, भयपुरा, जैतपुर, बल्थर, सरयाखास, बरडीहा, अजयपुरा, गोरखपुरा, गायघाट, बेलवा तुरंत सिंह, सीधेगौर और डुमरी समेत कई गांव प्रभावित हैं। उपजिलाधिकारी गोला मनीष कुमार ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कुल तीन दर्जन छोटी-बड़ी नावें लगाई गई हैं। पांच गांवों में भोजन का वितरण कराया जा रहा है। अन्य आवश्यकताओं के लिए मांग भेजी गई है। जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।



घरों में घुसा पानी, सामान बहा

राप्ती से घिरे लखनौरी में जयराम, लालबचन, धनई, नंदू, ज्ञानू समेत कई लोगों के घरों में पानी घुस गया है। लखनौरा में रामआशीष, रामरेखा साहनी, नरमन, माझी साहनी, राममिलन, अंशदार, रमेश साहनी, मुनीब और रूदल के घर भी प्रभावित हैं। बरडीहा में काशी, रमेश, महेंद्र, मंगरू और हरेंद्र के घरों में पानी पहुंचने के बाद परिवार ऊंचे स्थानों पर चले गए हैं। लखनौरी के सुभाष का तख्ता, पानी चलाने का पाइप, बर्तन, खाट और बांस बह गया। लखनौरा के रामआशीष साहनी के बर्तन, दाल, चावल, आटा और अन्य जरूरी सामान पानी में बह गए। कमली का पतरा और पाइप भी बह गया।

तीन गांवों के ग्रामीणों ने मांगा तैयार भोजन

लखनौरी, लखनौरा और हिगुंहार के ग्रामीणों ने प्रशासन से तैयार भोजन उपलब्ध कराने की मांग की है। नरेंद्र विक्रम सिंह, महेंद्र विक्रम, भगवान तिवारी, खरगू निषाद, वीरेंद्र, रामआशीष साहनी, खरपत्तू और राजन शर्मा ने प्रभावित परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था कराने की मांग की।

टेढ़िया बांध पर मंडरा रहा टूटने का खतरा

सरयू नदी पर खड़ेसरी से डेरवा तक बना टेढ़िया बांध दुबौली, कोहड़ाभावर, रामगढ़, खजूरी गोसाई, मुजौना, छपिया उमराव, गोपलामार, डेरवा और झाझाशिव समेत दर्जनों गांवों को बाढ़ से बचाता है। खड़ेसरी में कंकाली माता स्थान, छपिया उमराव, डेरवा और मुजौना में पानी बांध के बराबर पहुंच गया है। डेरवा में बुधवार सुबह पानी ओवरफ्लो की स्थिति बनने पर ग्रामीणों ने बांध पर मिट्टी डालना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार बांध जर्जर है और ब्लाक स्तरीय अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। राजन तिवारी, रवींद्र यादव, पंकज तिवारी, राजू यादव और गुड्डू यादव ने बताया कि ग्रामीण भय के कारण रातभर जागकर निगरानी कर रहे हैं।

बाल-बाल बचीं बसपा नेता अस्मिता चंद

बड़हलगंज में बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मिलने पहुंचीं बसपा नेता अस्मिता चंद बाल-बाल बचीं। वह जिस नाव से बाढ़ प्रभावित सरयाखास के पाल टोला से लौटीं व किनारे पहुंचने पर डूब गई। गनीमत रही कि अस्मिता चंद नाव से उतर चुकी थीं। जहां नाव डूबी वहां पानी भी कम था।

बेला-कतरारी मार्ग पर चढ़ा राप्ती का पानी

कौड़ीराम विकासखंड के बेला-कतरारी संपर्क मार्ग पर राप्ती नदी का का पानी चढ़ गया है। कई हिस्सों में पानी फैलने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। यह मार्ग जिला मुख्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, बेलीपार बाजार, स्कूल और बैंकों से जुड़ा होने के कारण महत्वपूर्ण है।

बहरामपुर में लगा स्वास्थ्य शिविर

बाढ़ प्रभावित बहरामपुर गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरौली की टीम ने स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों की जांच की और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। सीएचसी अधीक्षक डा. शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मियों ने घर-घर पहुंचकर लोगों का परीक्षण किया। इस दौरान डा. प्रज्ञा राय, स्टाफ नर्स दीपमाला, अरुण कुमार गौतम, हेमंत कुमार, शिव बहादुर यादव मौजूद रहे।

हम उम्र मिले तो दिन छोटे हो गए

अकेलेपन से जूझ रहे 207 बुजुर्गों को मिला दूसरा घर

गोरखपुर,संवाददाता। रिटायरमेंट के बाद जब अकेलेपन से दिन पहाड़ जैसे लगने लगे थे, तब नगर निगम के सिटीजन केयर सेंटर में हमउम्रों का साथ मिला तो जिंदगी फिर खिलखिलाने लगी। वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए यह सेंटर दूसरा घर बन गया है। सुबह योग से शुरू होती है, दिन कैरम, लाइब्रेरी, अखबार और हंसी-ठिठोली में बीत जाता है। उम्र की दूसरी पारी में जब घर की चहारदीवारी के बीच अकेलेपन से दिन पहाड़ जैसे लगने लगे थे, तब हमउम्रों का साथ मिला तो वही दिन छोटे हो गए। नगर निगम का सिटीजन केयर सेंटर वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए ऐसा ठिकाना बन गया है, जहां सुबह की शुरुआत योग से होती है और दिन हंसी-ठिठोली, बातचीत, कैरम और अखबार पढ़ने के बीच कब गुजर जाता है, पता ही नहीं चलता।

यहां आकर बुजुर्गों की जिंदगी में फिर से दोस्ती और अपनापन लौट आया है।

घर की जिम्मेदारियों से कुछ पल निकालकर महिलाएं भी यहां पहुंचती हैं और खुद के लिए वक्त बिताती हैं। सेंटर में स्वास्थ्य शिविर से लेकर लाइब्रेरी, कैरम, टीवी, स्वच्छ पेयजल, कैंटीन, इंडोर गेम्स, पेंटिंग और कानूनी सलाह तक की सुविधा उपलब्ध है। वरिष्ठ नागरिकों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ध्यान, योग, अध्यात्म, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर और फिजियोथेरेपी की कक्षाएं भी समय-समय पर आयोजित की जाती हैं। यही वजह है कि यहां आने वाले बुजुर्गों के लिए यह महज समय बिताने की जगह नहीं, बल्कि अपनेपन और सक्रिय जीवन का केंद्र बन गया है।

निर्बाध बिजली और त्वरित शिकायत निस्तारण

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर प्रथम जोन (वितरण) को नया मुख्य अभियंता मिल गया है। लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर बिजली व्यवस्था, उपभोक्ता सेवाओं और राजस्व वसूली की समीक्षा की। देर शाम उन्होंने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर गुरु गोरक्षनाथ के दर्शन किए। गोरखपुर प्रथम जोन को नया चीफ इंजीनियर मिल गया है। लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बुधवार को चीफ इंजीनियर प्रथम जोन (वितरण) का कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद देर शाम उन्होंने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर गुरु गोरक्षनाथ के दर्शन किए। उन्होंने बिजली व्यवस्था, उपभोक्ता सेवाओं और राजस्व वसूली की समीक्षा की। नवनियुक्त चीफ इंजीनियर लोकेंद्र बहादुर सिंह ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर निर्बाध आपूर्ति उपलब्ध कराना मुख्य लक्ष्य है। सुरक्षा भी उनकी प्रमुख प्राथमिकता होगी। खराब ट्रांसफॉर्मरों को समय से बदलने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिकायतों का त्वरित निस्तारण करना भी आवश्यक है। लाइन हानि (लाइन लॉस) कम करने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

विभागीय योजनाओं और उपभोक्ता सेवा पर जोर

लोकेंद्र बहादुर सिंह ने विभागीय योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने को कहा। उन्होंने क्षेत्र स्तर पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने उन्हें मौजूदा विद्युत व्यवस्था और चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी।

लारेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा

4 और गुर्गे गिरफ्तार

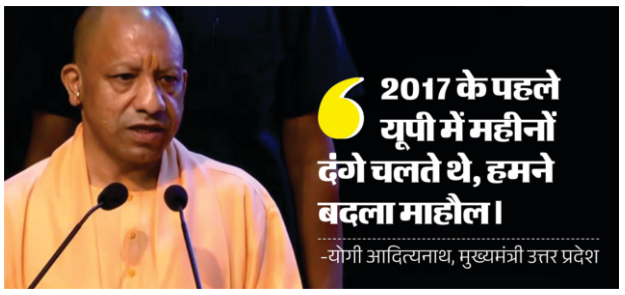
गोरखपुर,संवाददाता। एसटीएफ ने 21 सितंबर की रात विंध्यवासिनी पार्क के पास से गिरोह से जुड़े पांच असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनमें श्रेयांश यादव उर्फ बबलू, अजीत यादव, अभिषेक गौड़ उर्फ भेली, अभिषेक प्रजापति उर्फ अभी और राहुल गुप्ता शामिल थे। पूछताछ में इनसे जुड़े 26 अन्य लोगों के नाम सामने आए थे। एसटीएफ प्रभारी सत्यप्रकाश सिंह की तहरीर पर कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े असलहा तस्करी के मामले में कैंट थाना पुलिस ने बुधवार सुबह चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें 10 हजार रुपये का इनामी बीरू साहनी भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से .32 बोर की दो अवैध ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद की है।

पूछताछ पूरी करने के बाद सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चौरीचौरा के डुमरी खास निवासी मुलायम निषाद उर्फ नितेश, रामगढ़ताल के लहसड़ी खैरा टोला निवासी शैलेंद्र निषाद, इसी क्षेत्र के बीरू साहनी और डुमरी खास निवासी चंदन जायसवाल उर्फ लकी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, एसटीएफ ने 21 सितंबर की रात विंध्यवासिनी पार्क के पास से गिरोह से जुड़े पांच असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनमें श्रेयांश यादव उर्फ बबलू, अजीत यादव, अभिषेक गौड़ उर्फ भेली, अभिषेक प्रजापति उर्फ अभी और राहुल गुप्ता शामिल थे। पूछताछ में इनसे जुड़े 26 अन्य लोगों के नाम सामने आए थे। एसटीएफ प्रभारी सत्यप्रकाश सिंह की तहरीर पर कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान छह आरोपियों को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि दो ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। बुधवार को चार और गिरफ्तारी के बाद मामले में जेल भेजे गए आरोपियों की संख्या 10 हो गई है। पुलिस अब मामले में नामजद 21 अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों का किया सम्मान

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया और 87 अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इंटरसेप्टर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को पदक देकर सम्मानित किया और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित 87 इंटरसेप्टर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश का पहला कीर्ति चक्र हासिल करने वाले पुलिसकर्मी शहीद सुनील सिंह के परिजनों को सम्मानित कर बधाई दी। सीएम योगी ने पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक संघर्ष को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे कोई भी व्यक्ति भले ही कितने बड़े पद पर हो पर बिना



सुरक्षा के वो निश्चिंत नहीं रह सकता है। यूपी पुलिस ने प्रदेश की जनता को सुरक्षा का एहसास कराया है। यह पहली बार है जब यूपी पुलिस के जवान को कीर्तिचक्र से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने एक वो दौर भी देखा है जब सूर्यास्त होने के बाद तराई क्षेत्रों में लोगों को बाहर निकलने में मुश्किल होती थी पर अब ऐसा नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था का चेहरा बदला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले यूपी में कोई जिला ऐसा नहीं था जहां दंगे न हुए हों। मुजफ्फरनगर दंगा छह महीने चला था। जिलों में माफिया समानांतर सरकार चला रहे थे। यही कारण था कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश आर्थिक रूप से सबसे पीछे चला गया था पर अब यूपी और यूपी वालों की पहचान बदली है। उन्होंने कहा कि माफियाओं ओर गुंडों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति आगे भी जारी रहेगी।

यूपी में पत्नी का कत्ल कर जला दी लाश

यमुना में बहा दीं अस्थियां, कई बार देखी थी दृश्यम मूवी, फिर किया ये नाटक



आगरा,संवाददाता। यूपी के आगरा जिले में एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी, इसके बाद घर में ही शव को फूंक दिया। आरोपी ने यमुना में अस्थियां बहा दीं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने गुमराह करने के लिए थाने में गुमशुदगी की शिकायत दी। मायकेवालों की गुहार के बाद हत्या का राज खुला। आगरा के अछनेरा थाना इलाके में एक वारदात ने पति–पत्नी के रिश्ते को झकझोर दिया। गांव कुकथला में एक महिला की कथित तौर पर हत्या कर उसके शव को घर के पीछे बने टिनशेड में मंगलवार को शाम को जलाने का आरोप पति पर लगा है।

आरोप है कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए पति ने अस्थियां आगरा ले जाकर यमुना में विसर्जित कर दीं। थाने पहुंचकर पत्नी की गुमशुदगी की शिकायत भी कर दी। मायकेवालों की शिकायत और पुलिस की जांच के बाद मामले की परतें खुलती चली गईं। पुलिस ने आरोपी पति लोकेंद्र को हिरासत में लिया है। कुकथला निवासी लोकेंद्र की शादी वर्ष 2022 में अकबरा निवासी चांदनी से हुई थी। दोनों के करीब 2 वर्ष की बेटी सिद्धि है। चांदनी के परिजन का आरोप है लोकेंद्र आए दिन पत्नी से मारपीट करता था।

चांदनी के लापता होने के बाद लोकेंद्र ने अछनेरा पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी। मंगलवार को मृतका चांदनी के भाई मनोज ने भी अछनेरा थाने पहुंचकर बहन के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। मायका पक्ष लगातार पुलिस से बेटी का पता लगाने की गुहार लगाता रहा। बुधवार को पुलिस गांव पहुंची। जांच में घर और आसपास की परिस्थितियां संदिग्ध मिलने पर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस का शक गहराता चला गया।

आशंका पर पुलिस ने पति लोकेंद्र से पूछताछ की, तब पता चला कि चांदनी की हत्या करने के बाद उसके शव को घर के पीछे बने टिनशेड में जलाया गया। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से अस्थियों को आगरा ले जाकर यमुना में विसर्जित कर दिया गया। मृतका के भाई मनोज निवासी अकबरा, थाना सिकंदरा ने अछनेरा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मायका पक्ष ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने आरोपी पति लोकेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हत्या के पीछे की वजह, घटनाक्रम और वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका समेत तमाम पहलुओं की जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम की ओर से जुटाए गए साक्ष्यों को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

पत्नी को ढूंढ़ने का करता रहा नाटक मगर पुलिस को हो गया शक

आगरा के अछनेरा के कुकथला में चांदनी (27) की हत्या के आरोपी लोकेंद्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले वो मृतका के परिजन के साथ ही पत्नी को तलाशने का नाटक करता रहा। दिखाता रहा कि बहुत परेशान हैं। घरवाले भी उसकी बातों में आ गए मगर पुलिस को शक हो गया।

कड़ाई से पूछताछ में उसने सच उगल दिया। चांदनी की शादी 18 फरवरी 2022 को हुई थी। भाई मनोज ने बताया कि चांदनी पर ससुराल वाले घर से 10 लाख रुपये लेकर आने का दबाव बना रहे थे। आए दिन पिटाई करते थे। विरोध पर रात में पति खाना भी नहीं देता था।

93.97 करोड़ से लगेगा आलू प्रोसेसिंग प्लांट

यूरोप जाएंगे सूप-स्नैक्स, किसानों को मिलेगा स्थानीय बाजार

अलीगढ़,संवाददाता। आलू प्रोसेसिंग यूनिट शुरू होने से जिले के आलू उत्पादक किसानों को स्थानीय स्तर पर औद्योगिक खरीदार मिलने की उम्मीद है। इससे कच्चे आलू की जगह प्रसंस्कृत उत्पाद के रूप में इसकी वैल्यू बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

अलीगढ़ जिले में आलू की खेती और इससे जुड़े कारोबार को नई दिशा देने के लिए 93.97 करोड़ रुपये की लागत से आलू प्रोसेसिंग की नई यूनिट स्थापित की जा रही है। इनवेस्ट यूपी के तहत गभाना के श्यामपुर गांव के पास प्लांट का निर्माण शुरू हो चुका है। यहां तैयार किए गए सूप और स्नैक्स यूरोप तक भेजे जाएंगे।

यहां मुख्य रूप से पोटैटो फ्लैक्स तैयार किए जाएंगे, जिनका इस्तेमाल स्नैक्स, सूप, बेकरी और विभिन्न रेडी–टू–ईट खाद्य उत्पादों में किया जाता है। एआई मशीनों के साथ तैयार उत्पादों को यूरोप और दक्षिण एशियाई देशों तक भेजे जाने की योजना है।

इनवेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद ने जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त को पत्र भेजकर प्लांट स्थल का भौतिक सत्यापन कर वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

यह परियोजना प्रदेश सरकार की औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति–2022 के तहत प्रोत्साहित की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह जिले में पोटैटो प्रोसेसिंग से जुड़ा दूसरा प्लांट होगा।

खेत से तैयार उत्पाद तक ऐसे होगा आलू का सफर

प्लांट में किसानों से प्राप्त आलू को सबसे पहले गुणवत्ता के आधार पर छांटा जाएगा। इसके बाद आलू की धुलाई और सफाई की जाएगी। मिट्टी और अन्य बाहरी गंदगी हटाने के बाद आलू की ग्रेडिंग होगी। इसके बाद आलू को मशीनों के माध्यम से छीलकर काटा जाएगा और पकाया (कुक) जाएगा। पके हुए आलू को नियंत्रित प्रक्रिया के तहत मैश किया जाएगा।

इसके बाद इसे पतली परत के रूप में सुखाया जाएगा। नमी नियंत्रित तरीके से सूखने के बाद तैयार परतों को तोड़कर फ्लैक्स का रूप दिया जाएगा।

गुणवत्ता जांच के बाद इन फ्लेक्स की पैकिंग की जाएगी। पोटैटो फ्लेक्स को बाद में खाद्य कंपनियां अपने उत्पादों के अनुसार इस्तेमाल कर सकती हैं। पोटैटो फ्लेक्स आलू को पकाकर, मैश करके और नियंत्रित तापमान पर सुखाकर तैयार किए जाने वाला एक प्रसंस्कृत उत्पाद है।

इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है और खाद्य उद्योग में कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इससे स्नैक्स, सूप, बेकरी उत्पाद और कई तरह के इंस्टेंट एवं रेडी–टू–ईट खाद्य पदार्थ तैयार किए जाते हैं।

परचून दुकानदार के खाते में एक अरब से अधिक का लेनदेन

बरेली,संवाददाता। बरेली जिले के चिटौली गांव में दिल्ली से आई ईडी की टीम बृहस्पतिवार तड़के वापस चली गई। जांच के टीम गृहस्वामी पोशाकीलाल को मोबाइल फोन जब्त कर ले गई। सूत्रों के मुताबिक उनके खाते में एक अरब से अधिक लेनदेन का इनपुट मिलने पर ये कार्रवाई की गई। बरेली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के चिटौली गांव में परचून दुकानदार पोशाकीलाल मौर्य के घर पर करीब 20 घंटे तक जांच की। बृहस्पतिवार सुबह टीम वापस दिल्ली चली गई। टीम ने पोशाकीलाल को तो फिलहाल छोड़ दिया है, उनका मोबाइल फोन साथ ले गई है। उनके खाते में एक अरब से अधिक लेनदेन का इनपुट मिलने पर ये कार्रवाई करने की बात सामने आ रही है। ईडी की टीम बुधवार सुबह चिटौली गांव पहुंची थी। पोशाकीलाल मौर्य एक मामूली किसान हैं और घर में परचून की दुकान चलाते हैं। छापेमारी के दौरान पोशाकीलाल घर पर मौजूद नहीं थे। गांव के प्रशासक अनुज सिंह ने उन्हें खेत से बुलाया। प्रशासक ने कार्रवाई का कारण पूछा, लेकिन टीम ने जानकारी देने से मना कर दिया। ईडी टीम ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पोशाकीलाल के खाते में करीब एक अरब रुपये की रकम डाली और निकाली गई। पोशाकीलाल ने दावा किया है कि उन्होंने एसबीआई की उस शाखा में कभी खाता खुलवाया ही नहीं, जहां यह लेनदेन हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। टीम अब इन बिंदुओं पर विस्तृत जांच करेगी।

खाते के दुरुपयोग की आशंका

आशंका है कि किसी ने पोशाकीलाल के खाते का गलत उपयोग किया है। उनके खाते में एक अरब रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है। पोशाकीलाल ने स्वयं इस खाते से किसी भी संबंध से इन्कार किया है। जांच एजेंसी अब इस मामले की गहराई से पड़ताल करेगी।

खुली मिठाइयों की बिक्री पर नया नियम, एक्सपायरी डेट लिखना अनिवार्य, 15 अक्तूबर से होगा लागू

बरेली,संवाददाता। खुली मिठाइयों की बिक्री को लेकर 15 अक्तूबर से नया नियम लागू होने जा रहा है। नए नियम के तहत 15 अक्तूबर से खुली मिठाइयों पर यूज बाई डेट लिखना अनिवार्य किया है। सहायक आयुक्त राहुल कुमार सिंह ने बताया कि इससे ग्राहकों को मिठाई की सेवन अवधि पता चलेगी और विक्रेताओं की जवाबदेही तय होगी।

दूध, पनीर, छेना से लेकर मसालों, किराना की वस्तुओं आदि में मिलावट आम बात है। अपने मुनाफे के लिए मिलावटखोर शहरवासियों की सेहत से वर्षभर खिलवाड़ करते रहते हैं, लेकिन खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की नींद सिर्फ त्योहारों पर ही टूटती है।

छिटपुट कार्रवाई कर कर्तव्यों की इतिश्री कर ली जाती है। इससे मिलावटखोरों पर शिकंजा नहीं कस पाता। अब 15 अक्तूबर से खुली मिठाइयों पर यूज बाई डेट लिखना अनिवार्य किया गया है। पहल कितनी कारगर होगी, यह आने वाला समय और एफएसडीए के रवैये से तय होगा।

बरेली में रक्षाबंधन के दौरान एफएसडीए ने 490 किलो खराब मिठाइयां और 275 किलो



खराब पनीर नष्ट कराया था। कार्रवाई में बर्फी, सोहनपापड़ी और रसगुल्ला समेत कई उत्पाद शामिल थे। इसके बाद कार्रवाई थम गई। अब त्योहारों की आहट पर एक बार फिर एफएसडीए कार्रवाई के लिए कमर कस रहा है।

एफएसडीए के सहायक आयुक्त द्वितीय राहुल कुमार सिंह ने बताया कि मिठाई की दुकान से ग्राहक ट्रे में लगी मिठाई खरीद लेते हैं, पर निर्माण तिथि आदि की जानकारी नहीं होती। 15 अक्तूबर से यह स्थिति बदलेगी। खुली मिठाइयों पर भी श्यूज बाई डेटश प्रदर्शित करना होगा, ताकि ग्राहक देख सकें कि उस मिठाई का सेवन कब तक किया जा सकता है।

हर मिठाई की अलग–अलग होगी एक्सपायरी तिथि

खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार, मिठाई की उपयोग अवधि उसके प्रकार, निर्माण प्रक्रिया और भंडारण पर निर्भर करेगी। मावा और दूध से बनीं मिठाइयां सामान्यतः कम समय तक सुरक्षित रहती हैं। छेना आधारित मिठाइयों की अवधि भी सीमित होती है, जबकि घी और ड्राई फ्रूट वाली कुछ मिठाइयां अपेक्षाकृत ज्यादा समय तक चल सकती हैं। अलग–अलग मिठाइयों की उपयोग अवधि एक से 30 दिन तक हो सकती है।

अब दुकानदार की तय होगी जवाबदेही

सहायक आयुक्त के मुताबिक, नई व्यवस्था के बाद मिठाई विक्रेता को ट्रे, काउंटर या शोकेस में रखी मिठाई के सामने उसकी श्यूज बाई डेटश स्पष्ट करनी होगी। इससे उपयोग अवधि को लेकर विवाद की स्थिति में दुकानदार की जवाबदेही भी तय की जा सकेगी। इसके अलावा नियमित जांच में तिथि लिखे होने के बावजूद सैंपल लिए जाएंगे। जांच में अधोमानक, असुरक्षित मिलने पर दुकानदार जवाबदेह होंगे। इससे कार्रवाई की प्रक्रिया सरल होगी।



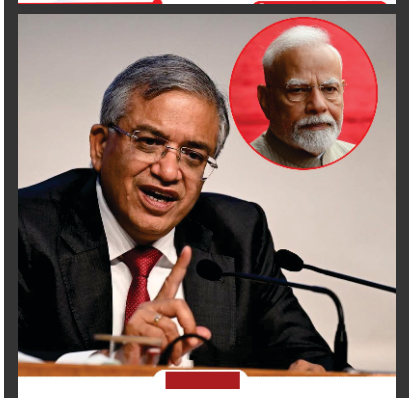
राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय के खिलाफ याचिका पर 2 नवंबर को SC में सुनवाई



"31 दिसंबर 2029 को पंजाब को नशा मुक्त कर देंगे"

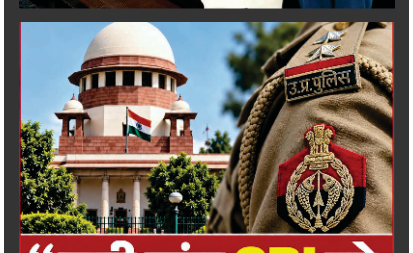


स्वामी रामभद्राचार्य पर केस दर्ज करने का आदेश, 12 अक्टूबर को अगली सुनवाई



"ज्ञानेश कुमार को मिले भारत रत्न": TMC के बागी गुट वाली NCP! की पीएम को चिट्ठी





"सारी जांच CBI को दे दें, यूपी पुलिस को भंग ही कर दें"
सुप्रीम कोर्ट की मौखिक टिप्पणी

दसवीं सीट के लिए सपा–कांग्रेस में सेंधमारी दोनों पार्टियां क्रास वोटिंग की जुगत में

लखनऊ,संवाददाता। राज्यसभा की 10वीं सीट के लिए पक्ष–विपक्ष एक–दूसरे के यहां सेंधमारी की तैयारी में जुटा हुआ है। सपा के पास तीसरी और भाजपा के पास 8वीं सीट जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल नहीं है। राज्यसभा की 10वीं सीट के लिए पक्ष–विपक्ष एक–दूसरे के यहां सेंधमारी की तैयारी में जुटा हुआ है। सपा के पास तीसरी और भाजपा के पास 8वीं सीट जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल नहीं है। मतलब, 10वीं सीट तभी जीती जा सकेगी, जब क्रॉस वोटिंग हो। यानी, विधायक अपनी पार्टी की लाइन के खिलाफ जाकर वोट करें।

यह तय हो चुका है कि जेल में बंद सपा विधायक रमाकांत यादव वोट डालने नहीं आ पाएंगे। विधानसभा के 7 पद रिक्त हैं। ऐसे में अधिकतम 395 वोट ही पड़ सकेंगे। इस हिसाब से देखा जाए तो राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 36 वोटों की आवश्यकता होगी। सपा के पिछले राज्यसभा चुनाव में बागी हो चुके विधायकों को निकाल दें तो उसके पास कांग्रेस के दो विधायकों को मिलाकर 99 का ही संख्या बल है। जबकि, तीन सीटें जीतने के लिए उसे 108 मतों की आवश्यकता है। यानी, उसे 9 अतिरिक्त मतों का इंतजाम करना होगा।

सुभासपा के दो मत (अब्बास अंसारी और जगदीश नारायण राय) सपा को मिलना एकदम तय माना जा रहा है। जगदीश नारायण ने पिठले चुनाव में भी सपा प्रत्याशी कत्ही वोट दिया था। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि एनडीए में निषाद पार्टी और अपना दल (सोने लाल)



के कुछ विधायक भी उनके संपर्क में हैं। यह वे विधायक हैं, जो टिकट की गारंटी पर पाला बदलने के लिए तैयार बताए जा रहे हैं।

सपा सूत्रों का दावा यहां तक है कि भाजपा सरकार में दो मंत्री ऐसे हैं, जिन्हें खुद भी इस बात की भनक है कि वे उनका टिकट कटेगा। इनमें से एक पश्चिम से हैं और वे रालोद के चलते असहज बताए जाते हैं। दूसरे एक मंत्री की सपा नेतृत्व से मुलाकात भी हो चुकी है। सपा सूत्रों का कहना है कि भाजपा के 6–7 विधायक भी उनके संपर्क में हैं, जो टिकट की गारंटी पर क्रॉस वोटिंग के लिए तैयार है। इसलिए सपा अपना तीसरा प्रत्याशी जिताने कि लिए अतिरिक्त मतों का इंतजाम आसानी से कर लेगी।

आठ सीटों के बाद भाजपा की नजर नौंवी पर

चाहिए और 25 वोट, निगाहें सपा के बागियों पर



लखनऊ,संवाददाता। राज्यसभा की एक सीट के लिए 36 वोट का कोटा माना जाए तो आठ सीटों के लिए 288 वोट चाहिए। नौंवी सीट के लिए उसके पास 25 वोट कम पड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में होने जा रहे इस बार का राज्यसभा चुनाव विधायकों में तोड़–फोड़ का नया सियासी इबारत लिखने जा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने–अपने संख्या बल के आधार पर सीटों का गणित बैठाने में जुटे हैं। भाजपा जहां अपने आठ उम्मीदवारों की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है, वहीं अब उसकी नजर नौवीं सीट पर भी है। भाजपा का दावा है कि उसके पास आठवें उम्मीदवार को जिताने के लिए तो पर्याप्त संख्या बल तो है ही, बल्कि उसके पास अतिरिक्त 25 वोट हैं। इसलिए वह अपना नौंवा उम्मीदवार भी उतारने पर विचार कर रही है। इस अतिरिक्त वोट की व्यवस्था के लिए भाजपा विपक्षी खेमे, खासकर सपा में सेंधमारी की संभावनाएं तलाश रही है।

गणित के मुताबिक, राज्यसभा की एक सीट के लिए 36 वोट का कोटा माना जाए तो आठ सीटों के लिए 288 वोट चाहिए। भाजपा अपने 259 विधायकों के साथ सहयोगी दलों के विधायकों और उसके साथ खड़े माने जा रहे असंबद्ध विधायकों को मिलाकर करीब 299 वोटों के आधार पर रणनीति बना रही है। इस हिसाब से आठ उम्मीदवारों को जिताने के बाद भी उसके पास 11 वोट अतिरिक्त बचेंगे।

यही 11 वोट भाजपा की नौवीं सीट की कोशिश का आधार हैं। नौवें उम्मीदवार के लिए 36 वोट चाहिए होने पर पार्टी को 25 और वोट जुटाने होंगे। यह संख्या अपने दम पर पूरी करना भाजपा के लिए संभव नहीं है। ऐसे में उसकी नजर सपा के उन विधायकों पर है, जो पिछले राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन से अलग जाकर मतदान कर चुके हैं या जिनके भाजपा से राजनीतिक समीकरण बने हैं।

पिछले चुनाव में यह बने थे बागी

पिछले चुनाव में सपा के कई विधायकों के बगावती रुख ने भाजपा के लिए रास्ता बनाया था। इनमें मनोज कुमार पांडेय, पूजा पाल, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, विनोद चतुर्वेदी, आशुतोष मौर्या और महाराजी देवी जैसे नाम शामिल रहे हैं। भाजपा इन विधायकों में से कुछ को अब अपने राजनीतिक पाले में मानकर चल रही है। हालांकि, मौजूदा संख्या बल के लिहाज से नौवीं सीट के लिए 25 अतिरिक्त वोट जुटाना अभी बड़ी चुनौती है। वहीं पार्टी के गंभीर सूत्र का कहना है कि सपा के तमाम विधायक भाजपा के संपर्क में तो है, लेकिन वे 2027 के चुनाव में टिकट की गारंटी पर ही भाजपा को वोट देने की बात कर रहे हैं।

25 वोटों की तलाश है भाजपा को हालांकि भाजपा के लिए आठवीं सीट का गणित पहले ही अतिरिक्त समर्थन पर निर्भर है और नौवीं सीट की कवायद उसे और कठिन मुकाबले में ले जाएगी। ताजा चुनावी गणित में भी आठवीं और उससे आगे की सीटों के लिए अतिरिक्त विधायकों के समर्थन को निर्णायक माना जा रहा है। ऐसे में नामांकन से मतदान तक भाजपा और सपा की नजर अपने–अपने विधायकों के साथ दूसरे खेमे के संभावित असंतुष्टों पर रहेगी। नौवीं सीट के लिए 25 वोटों की यह तलाश ही राज्यसभा चुनाव की सबसे बड़ी सियासी कवायद बनती दिख रही है।

एक साल और करा सकते हैं निशुल्क बायोमीट्रिक अपडेट

लखनऊ,संवाददाता। आधार में बायोमीट्रिक अपडेट दो बार जरूरी होता है। पहली बार बच्चा जब पांच साल की उम्र पूरी कर ले और दूसरी बार 15 साल की उम्र पूरी होने पर। इसमें बच्चे के फोटो, फिंगर प्रिंट और आंखों की पुतली का विवरण अपडेट किया जाता है। बच्चों के आधार में अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट कराने की निशुल्क सुविधा 30 सितंबर 2027 तक तक बढ़ा दी गई है। पहले यह सुविधा 30 सितंबर 2026 तक थी। अभी प्रदेश में करीब ढाई करोड़ बच्चों का आधार अपडेट होना बाकी है। समय बढ़ने से काफी सहूलियत होगी। यूआईडीएआई के उप महानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि आधार में बायोमीट्रिक अपडेट दो बार जरूरी होता है। पहली बार बच्चा जब पांच साल की उम्र पूरी कर ले और दूसरी बार 15 साल की उम्र पूरी होने पर। इसमें बच्चे के फोटो, फिंगर प्रिंट और आंखों की पुतली का विवरण अपडेट किया जाता है। इससे बच्चे के बड़े होने के बाद आधार से पहचान की पुष्टि में आसानी होती है।

यूआईडीएआई ने सितंबर 2025 में 7 से 15 वर्ष के बच्चों के पहले अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट का शुल्क एक साल के लिए माफ किया था। इसका उद्देश्य बड़ी संख्या में लंबित अपडेट को पूरा कराना था।

समयसीमा बढ़ने से अभिभावकों को इसके लिए एक साल और मिल गया है। वे केंद्र पर जाकर बच्चों का आधार निशुल्क अपडेट करा सकते हैं।

धनराज नथवानी–बदल सकता है राज्यसभा चुनाव का समीकरण

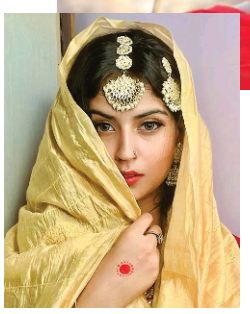
नई दिल्ली,एजेंसी। उद्योगपति धनराज नथवानी की दस्तक से राज्यसभा चुनाव का समीकरण बदल सकता है। समाजवादी पार्टी का मास्टर स्ट्रोक या फिर क्रासवोटिंग की शिकार होगी। कई माननीय अपनी अंतरात्मा के आधार पर इधर– उधर हो सकते हैं। इस बार सपा की निगाह एनडीए में शामिल दलों के विधायकों पर है। सपा की ओर से उद्योगपति धनराज नथवानी के दस्तक देने से राज्यसभा चुनाव का पूरा समीकरण बदलता दिख रहा है। सपा इसे अपना मास्टर स्ट्रोक मान रही है और विरोधी उस पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सपा ने तीसरे प्रत्याशी को लेकर अभी पर्दादारी बना रखी है। ऐसे में भाजपा के लिए अपना आठवें प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपने एनडीए खेमे की एकजुटता बनाए रखनी होगी। सपा की नजर भाजपा के सहयोगी दलों के उन विधायकों पर है, जो किसी न किसी रूप में सपा से पहले जुड़े रहें हैं और पीडीए से आते हैं। उत्तर प्रदेश के राज्यसभा चुनाव के पिछले इतिहास के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि अगर 11 वां प्रत्याशी मैदान में आया तो वोटिंग में कई माननीय अपनी अंतरात्मा के आधार पर इधर–उधर हो सकते हैं। इन चुनावों में वोटों के आवंटन, दूसरी वरीयता के वोटों के प्रबंधन व धनबल के असर से नतीजे अप्रत्याशित आ सकते हैं। यानी जिसकी जीत की उम्मीद कम हो , उसकी जीत सुनिश्चित हो जाती है।

किस ओर से होगी क्रासवोटिंग

2024 में सपा के कुछ विधायकों ने क्रासवोटिंग की थी। इस बार सपा की निगाह एनडीए में शामिल दलों के विधायकों पर है। इनका समर्थन जुटाना धनराज नथवानी की क्षमता पर निर्भर करेगा। भाजपा व सपा दोनों में जिन विधायकों को अपने टिकट कटने का खतरा महसूस होगा वह इधर उधर हो सकते हैं। हालांकि फिलहाल तो दोनों भाजपा व सपा दोनों को अपने विधायकों को साथ बनाए रखने की चुनौती है। एनडीए गठबंधन में सुभासपा, निषाद पार्टी व राष्ट्रीय लोकदल में ऐसे कई विधायक हैं जो किसी न किसी रूप में सपा से जुड़े रहे हैं। सुभासपा के तीन विधायक व रालोद के दो मुस्लिम विधायकों को साथ लाने का जिम्मा सपा के पश्चिमी यूपी के दो नेताओं को दिया गया है। बताया जा रहा है कि सपा को उम्मीद है कि धनराज तीसरे प्रत्याशी को जिताने के लिए अतिरिक्त मेहनत करेंगे। पिछले राज्य सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से उद्योगपति संजय सेठ इसी कारण जीत पाए क्योंकि सपा विधायकों में क्रासवोटिंग हो गई।

काजल राघवानी-बिहार में हुआ भोजपुरी अभिनेत्री की कार पर हमला





एंटरटेनमेंट डेस्क। भोजपुरी सिनेमा की अभिनेत्री काजल राघवानी हाल ही में बिहार एक इवेंट में हिस्सा लेने गई थीं, जहां उनकी कार के साथ हादसा हो गया। आइए जानते हैं कि आखिर ये पूरा मामला क्या है। भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी हाल ही में बिहार शरीफ में एक ज्वेलरी शोरूम के उद्घाटन में पहुंची थीं। इस दौरान शोरूम के बाहर भीड़ जमा हो गई, जो बाद में बेकाबू हो गई। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें देखने को मिला कि बड़ी संख्या में लोग काजल की कार के पीछे भागते और उसे रोकने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। बाद में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर बताया कि वह बिल्कुल ठीक हैं।

काजल के कार्यक्रम में कैसे और कब हुआ हंगामा

दरअसल, जब काजल राघवानी शोरूम के उद्घाटन के लिए बिहार आईं, तो उन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि लोगों ने एक कार का शीशा तक तोड़ दिया। लोगों को लगा कि काजल उस कार के अंदर हैं। इस घटना में उनकी टोयोटा फॉर्च्यूनर की कई खिड़कियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। वीडियो में यह भी देखने को मिला कि भीड़ के बीच से कार निकालने की कोशिश की गई और लोग कार के पीछे दौड़ते दिखे। बता दें कि काजल को कार्यक्रम स्थल से बाहर ले जाते समय यह पूरा हंगामा हुआ। बढ़ती भीड़ को देखते हुए शोरूम संचालक ने काजल को चुपचाप वहां से निकलने में मदद की। उन्हें ड्राइवर वाले गेट से बाहर लाया गया, जिसके बाद गाड़ी तेजी से वहां से निकल गई।

अब कैसी हैं काजल राघवानी

बाद में काजल राघवानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया और फैंस को बताया कि वह सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। उन्होंने अपने फैंस का शुक्रिया भी अदा किया और आगे भी इसी तरह प्यार और सपोर्ट बनाए रखने की अपील की।

आयोजकों को जारी किया जाएगा नोटिस

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि कार्यक्रम के लिए प्रशासन से अनुमति नहीं ली गई थी और आयोजकों को नोटिस जारी किया जाएगा। हालांकि, शोरूम संचालक ने इस दावे को खारिज किया। उनका कहना था कि कार्यक्रम की जानकारी जिला प्रशासन को एक पत्र के जरिए दी गई थी और 17 सितंबर को अनुमति के लिए आवेदन भी जमा किया गया था।

प्रियंका और तेज प्रताप यादव के बीच आर-पार की लड़ाई



मुम्बई,एजेंसी। रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल सीजन 2' में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है. शहजाद पूनावाला से हाथापाई के बाद सिवेट तोमर को अचानक शो से बाहर कर दिया गया. इसके बाद घर में सत्ता की नई जंग छिड़ गई है. प्रियंका चाहर चौधरी, तेज प्रताप यादव और इरीना रुदाकोवा अब घर की पूरी कमान अपने हाथ में लेने के लिए आमने–सामने आ चुके हैं.

रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल सीजन 2' में एक बड़ा मोड़ आ गया है. शो के फेमस कंटेस्टेंट सिवेट तोमर को अचानक बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. दरअसल, शहजाद पूनावाला के साथ उनकी तीखी झड़प और हाथापाई हो गई थी, जिसके बाद मेकर्स ने नियम तोड़ने पर कड़ा फैसला लिया. सिवेट के इस तरह बाहर जाने से शो के पेंटहाउस में हड़कंप मच गया है. सभी घरवाले इस फैसले से काफी हैरान और आपस में बंटे नजर आ रहे हैं.

इस हंगामे के बीच अब अल्टीमेट रूलर यानी घर का असली राजा बनने की होड़ और ज्यादा तेज हो गई है. सिवेट के बेघर होते ही घर के बाकी कंटेस्टेंट्स का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया. स्वरा भास्कर ने इस बेदखली को सीधे तौर पर बकवास बताया और खुलेआम अपनी नाराजगी जताई. वहीं, करण पटेल भी पूरी तरह सिवेट के समर्थन में उतर आए. करण ने साफ शब्दों में कहा कि वे खुद बाहर जाने से पहले शहजाद से इस मसले पर कड़ा हिसाब लेंगे. दूसरी तरफ जब शहजाद पेंटहाउस लौटे, तो वहां भी उनका स्वागत तीखी बहसों से हुआ. यहां प्रियंका चाहर चौधरी के साथ कुछ पर्सनल कमेंट्स को लेकर उनकी जोरदार नोकझोंक देखने को मिली।

ग्लैमर गर्ल

जैकी श्राफ के साथ कर चुकीं हैं काम



एंटरटेनमेंट डेस्क। सोशल मीडिया पर इन दिनों तान्या मिश्रा चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, फैंस ने उन्हें नेशनल क्रश का टैग दे दिया है। ऐसे में अब बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर तान्या है कौन? आइए उनके बारे में जानते हैं।

रश्मिका मंदाना, प्रिया प्रकाश वारियर और तृप्ति डिमरी के बाद अब लोगों ने तान्या मिश्रा को भारत की नई नेशनल क्रश का टैग दे दिया है। ऐसे में बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर तान्या कौन हैं और कैसे उनको यह टैग मिल गया, जिसकी वजह से वह फिलहाल सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

कौन हैं तान्या मिश्रा

तान्या मॉडल और एक्ट्रेस हैं। 31 जनवरी, 1999 को जन्मी अभिनेत्री मूल रूप से बिहार के गया की रहने वाली हैं और फिलहाल मुंबई में रहती हैं। तान्या ने मगध यूनिवर्सिटी से बी.कॉम की पढ़ाई पूरी की।

इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके प्रोफेशनल पोर्टफोलियो में फेमिना, फिल्मफेयर और ग्राजिया जैसी मैगजीन के लिए फोटोशूट कर चुकी हैं।

उन्हें पहली बार पॉपुलैरिटी तब मिली थी, जब अप्रैल–मई 2024 में वह फेमिना के कवर पेज पर नजर आई थीं। तान्या मिश्रा को नेशनल क्रश का टैग उनकी हालिया तस्वीरों के लिए मिला है। वायरल फोटो को देखने के बाद कोई उनकी अदाओं पर फिदा हो गया है, तो कोई उनके लुक्स में खो गया है। बता दें कि इंस्टाग्राम पर उनके 1.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

कौनसी हैं तान्या मिश्रा की फिल्में और सीरीज

मॉडलिंग के साथ–साथ तान्या ने कई फिल्मों, वेब सीरीज और म्यूजिक वीडियोज में काम किया है।

साल 2023 में उन्होंने फिल्म गजनवी में नेहा नाम की लड़की का किरदार निभाया था। इसके अलावा वह कन्नड़ फिल्म चेज में सीबीआई इंस्पेक्टर की भूमिका निभा चुकी हैं।









श्रेयस की टीम ने लगाई रिकार्ड्स की झड़ी! इस मामले में नंबर–1 बना भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने एशियन गेम्स के पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। भारत की यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी जीत है। वहीं, श्रीलंका 45 रन पर सिमटकर कई शर्मनाक रिकॉर्ड की सूची में शामिल हो गया। भारत अब तीन अक्तूबर को पाकिस्तान के खिलाफ स्वर्ण पदक के लिए खेलेगा। भारत ने एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ जहां श्रेयस अय्यर की टीम ने कई रिकॉर्ड्स बनाए। वहीं, श्रीलंका के नाम कई शर्मनाक आंकड़े जुड़ गए। 124 रन की जीत का अंतर, किसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के सेमीफाइनल या फाइनल में दो पूर्ण सदस्य टीमों के बीच सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के नाम ही था, जिसने 2026 टी20 विश्व कप के फाइनल में अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया था।

श्रीलंका के खिलाफ भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत

124 रन की जीत श्रीलंका पर भारत की सबसे बड़ी जीत है। वहीं, ओवरऑल टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका की यह दूसरी सबसे बड़ी हार है। श्रीलंका को टी20 में सबसे बड़ी हार ऑस्ट्रेलिया से 2019 में मिली थी। तब कंगारुओं ने एडिलेड में श्रीलंका को 134 रन से हराया था। भारत ने 2026 में निशिन में 124 रन की जीत के साथ 2017 और 2023 की अपनी बड़ी जीतों को भी पीछे छोड़ दिया।

श्रीलंका के नौ बल्लेबाज दहाई तक नहीं पहुंचे

श्रीलंका की पारी में नौ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। पूर्ण सदस्य टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में यह संयुक्त रूप से दूसरा सबसे ज्यादा आंकड़ा है। इस मामले में रिकॉर्ड 10 खिलाड़ी का है, जो वेस्टइंडीज के नाम है। 2009 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज के 10 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके थे। उस पारी में सिर्फ क्रिस गेल 63 रन बनाकर दहाई के आंकड़े तक पहुंचे थे।

45 रन पर सिमटी श्रीलंका, संयुक्त रूप से सबसे कम स्कोर

श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 45 रन पर ऑलआउट हो गई। यह किसी पूर्ण सदस्य टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से सबसे कम ऑलआउट स्कोर है। इससे पहले वेस्टइंडीज ने 2019 में बैसेटेरे में इंग्लैंड के खिलाफ 45 रन बनाए थे।

भारतीय पुरुष नौकायान टीम ने जीता रजत

स्पोर्ट्स डेस्क। एशियन गेम्स में एक अक्टूबर को भारत के कई अहम मुकाबले होंगे। भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पाकिस्तान के सामने होगी। क्रिकेट में भारत का सामना श्रीलंका से सेमीफाइनल में हो रहा है। इसके अलावा स्क्वैश, तीरंदाजी, शूटिंग, कुश्ती समेत कई खेलों में भारतीय खिलाड़ी पदक और अगले दौर के लिए चुनौती पेश करेंगे।

पुरुष हॉकी में भारत ने पाकिस्तान को 4–3 से हराया

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने पाकिस्तान को 4–3 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाड के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमें एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंची हैं। भारत पाकिस्तान के खिलाफ 3–0 से आगे चल रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने तीसरे क्वार्टर से वापसी की और स्कोर बराबर कर दिया। अभिषेक ने हालांकि, मैच खत्म होने से 49 सेकेंड पहले मैदानी गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई जो अंत में निर्णायक साबित हुई।

जूडो में इनुंगनबी ताखेल्लामबम कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेंगी

इनुंगनबी ताखेल्लामबम महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में मंगोलिया की अनू उरान–उल्जी से भिड़ेंगी। इनुंगनबी को क्वार्टर फाइनल में उत्तर कोरिया की सोंग हुई मुन के खिलाफ



हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने रेपचेज मुकाबला वॉकओवर से जीतकर पदक के मुकाबले में जगह बनाई। इससे पहले भारतीय जुडोका ने राउंड ऑफ–16 में नेपाल की पुनम श्रेष्ठा को इप्पोन के जरिए हराया था। स्क्वैश में भारत का सेमीफाइनल में मलयेशिया से मुकाबला

नागोया में एशियन गेम्स के पुरुष स्क्वैश सेमीफाइनल में भारत का सामना मलयेशिया से होगा। गत चौंपियन भारत ने कुवैत को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। वीर चोटरानी और अभय सिंह ने भारत के लिए जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहले ही फाइनल में पहुंच चुका है। उसने हॉन्गकॉन्ग को 2–1 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब पाकिस्तान फाइनल में भारत और मलयेशिया के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता का इंतजार करेगा।

भारतीय हॉकी टीम ने पहले क्वार्टर से बनाया दबाव

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले ही क्वार्टर से दबाव बनाना शुरू किया। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी पर गोल कर भारत को 1–0 से आगे कर दिया है। इससे पहले भारत को चार बार गोल करने के मौके मिले थे, लेकिन टीम इससे चूक रही थी। हालांकि, हरमनप्रीत ने पांचवें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का मौका नहीं छोड़ा। इसके बाद दिलप्रीत ने भी गोल दागा, लेकिन रेफरी ने इसे अमान्य करार दिया। हरमनप्रीत ने इसके बाद 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर एक और गोल दागा और भारत को बढ़त को दोगुना कर दिया।

भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराया

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाड के सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हरा दिया है। भारत ने 170 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर सिमट गई। अब तीन अक्तूबर को स्वर्ण पदक के लिए भारत का सामना साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम से होगा। वहीं, श्रीलंका की टीम कांस्य पदक के लिए बांग्लादेश से भिड़ेगी। यह मुकाबला भी तीन अक्तूबर को ही खेला जाएगा। 124 रन से जीत भारत की श्रीलंका पर सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत की श्रीलंका पर रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी। भारत ने 2017 में कटक में श्रीलंका को 93 रन से हराया था।

भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने जीता कांस्य पदक

पुरुष टीम सेमीफाइनल में मलयेशिया से भिड़ेगी

स्पोर्ट्स डेस्क। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने कांस्य पदक जीता। सेमीफाइनल में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1–2 से हार मिली। अनाहत सिंह की हार के बाद तन्वी खन्ना ने मुकाबला बराबर किया, लेकिन निर्णायक मैच में जोशना चिनप्पा की हार से भारत फाइनल में नहीं पहुंच सका। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, टीम को सेमीफाइनल में हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ हार 1–2 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, अब भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम सेमीफाइनल में मलयेशिया का सामना करेगी।

भारतीय महिला स्क्वैश टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11–9 और दूसरा गेम 11–8 से अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया।

तन्वी ने कराई थी वापसी

तीसरा गेम चान सिन ने 11–6 से जीता, तो चौथे गेम को 13–11 और पांचवें गेम को 12–10 से जीता। इस जीत के साथ हॉन्गकॉन्ग ने मैच में 1–0 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया। पहले गेम में तन्वी को 4–11 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को 1–1 से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम 13–11, तीसरा गेम 11–9 और 13–11 से जीता।

चिनप्पा को भी मिली हार

निर्णायक मुकाबले में जोशना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गईं। हो त्जे ने पहला गेम 11–4 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी हॉन्गकॉन्ग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को 11–7 से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आईं और उन्होंने 11–9 से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया।

गणेश ने पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड तीरंदाजी में जीता कांस्य पदक



स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय कंपाउंड तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को पुरुषों के व्यक्तिगत इवेंट में कांस्य पदक जीता। उनकी सफलता के बाद तीरंदाजी में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई है। भारतीय कंपाउंड तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। बुधवार को स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम का हिस्सा रहे गणेश ने स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर होने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में वियतनाम के कोंग डुक डांग को 149–144 से हराया। भारत के 20 वर्षीय तीरंदाज ने कांस्य पदक के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 में से 14 तीर 10 अंक पर लगाए। गणेश को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो के खिलाफ 144–148 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। भारतीय तीरंदाज मुमकाबले में पिछड़ता रहा और अंततः 29–30, 29–30, 29–28, 29–30, 28–30 से हार गया। गणेश ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चीह लुन चेन को 148–138 से हराया था। गणेश ने सभी पांच सीरीज में जीत दर्ज की। उनका स्कोर 29–28, 29–28, 30–29, 30–26, 30–27 रहा। उन्होंने शुरुआती दो सीरीज में केवल दो बार नौ अंक का निशाना लगाया जिसके बाद लगातार 10 अंक के निशाने साधे।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।